

## वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर में 15 सितम्बर 2014 को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। इस समारोह में सभी ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय, सवुरिपालयम, कोयम्बतूर के प्राचार्य श्रीमती सावित्री तियागराजन जी मुख्य अथिति के रूप में पधारे। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डॉ.बी.गुरुदेव सिंह, हिन्दी समिति के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। डॉ.वि.कु.वा.बाचपई, हिन्दी नोडल अधिकारी ने सभी के समक्ष हिन्दी वार्षिक रिपोर्ट पेश किया। श्री आर.एस.प्रशांत,भ.व.से., निदेशक जी ने हिन्दी के महत्व पर सुन्दर भाषण प्रस्तुत किया। उस भाषण में उन्होंने कहा कि हिन्दी को ही राजभाषा क्यों बनाया गया? हिन्दी को ही अधिक महत्व क्यों दिया जा रहा है? इसका कारण बताते हुए कहा कि हिन्दी के प्रयोग में सभी को ध्यान देना चाहिए एवं भारत सरकार के द्वारा हिन्दी के प्रयोग हेतु बनाये गये नियमों का पालन करना चाहिए और उनके द्वारा बनाये गये प्रेरणादायक योजनाओं का लाभ उठाना चाहिये।

हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य राजभाषा के प्रति लोगों की रूचि बढ़ाना और उसके महत्व के प्रति जागृत करना ही है। इसी उद्देश्य से हमारे कुछ कर्मचारियों ने भी मंच पर आकर हिन्दी में भाषण दिये जिसमें हिन्दी को बढ़ावा देने के लिये अनेक सुझाव दिये।

हिन्दी दिवस के इस सुअवसर पर *सारांश साफ्टवेयर की सहायता से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी वक्तृत्व प्रतियोगिता आदि* प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उमंग-उत्साह से भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में विजय हुए विजेताओं को मुख्य अथिति ने पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और प्रोत्साहित भी किया। उसके बाद मुख्य अथिति ने अपने कमल वचनों से सभी को हिन्दी के महत्व का ज्ञान कराया और कहा कि हिन्दी को यदि अपनी मातृभाषा समझकर सीखा जाये तो उसे आसानी से सीखा जा सकता है। हिन्दी के कार्यान्वयन को और आगे बढ़ाने के लिये सभी को प्रोत्साहित करने के साथ आगे बढ़ने की शुभ कामनाएँ भी दीं। अन्त में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, हिन्दी अनुवादक ने सभी को धन्यवाद देकर इस कार्यक्रम को सफल रीति से सम्पन्न किया।





